



प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर और भारतीय सेना के सिम्युलेटर डेवलपमेंट डिवीजन ने एआर, वीआर और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भुवनेश्वर, 15 जनवरी 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर और भारतीय सेना के सिम्युलेटर डेवलपमेंट डिवीजन (एसडीडी) ने संवर्धित वास्तविकता (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में उन्नत अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार पर सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू पर 14 अक्टूबर 2025 को ऑनलाइन मोड में ब्रिगेडियर जी.एस. बेदी, कमांडेंट, एसडीडी, सिकंदराबाद और प्रोफेसर दिनाकर पासला, डीन (प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श), आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। साझेदारी का उद्देश्य रक्षा क्षमताओं, सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण और नवाचार-संचालित अनुप्रयोगों को बढ़ाने के लिए अकादमिक और तकनीकी उत्कृष्टता का उपयोग करना है।

समझौते के हिस्से के रूप में, आईआईटी भुवनेश्वर अपने VARCOE (वर्चुअल एंड ऑगमेंटेड रियलिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के माध्यम से अकादमिक और अनुसंधान सहायता प्रदान करेगा, जबकि SDD रक्षा सिमुलेशन और प्रौद्योगिकी प्रोटोटाइप में व्यावहारिक प्रदर्शन और सहयोगात्मक विकास परियोजनाओं की सुविधा प्रदान करेगा। सहयोग में अल्पकालिक प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम, आईआईटी छात्रों के लिए इंटर्नशिप, सुविधाओं तक पहुंच और हैकथॉन और विचार चुनौतियों जैसी संयुक्त नवाचार पहल शामिल हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. दिनाकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह साझेदारी राष्ट्रीय रक्षा और तकनीकी आत्मनिर्भरता में योगदान देने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी। ब्रिगेडियर बेदी ने कहा कि समझौता ज्ञापन रक्षा और शिक्षा जगत के बीच तालमेल को बढ़ावा देगा, सेना की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वदेशी प्रौद्योगिकी समाधानों को बढ़ावा देगा।

समझौता ज्ञापन पांच वर्षों तक लागू रहेगा, जिससे प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के अग्रणी क्षेत्रों में दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग और ज्ञान का आदान-प्रदान संभव हो सकेगा।
